



एल आई सी का एकल प्रीमियम एण्डोमेंट प्लान (लाभ सहित) LIC'S SINGLE PREMIUM ENDOWMENT PLAN (WITH PROFITS)



(जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 द्वारा संस्थापित) / (Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)

भारतीय जीवन बीमा निगम को (जिसे इसके बाद निगम कहा जायेगा) यहाँ नीचे सन्दर्भित अनुसूची में उल्लिखित बीमित व्यक्ति से एक प्रस्ताव तथा घोषणा और एकल प्रीमियम की प्राप्ति होने पर और उक्त प्रस्ताव तथा घोषणा और उसमें दिये गये और सन्दर्भित विवरण इस बीमा पॉलिसी के आधार पर उक्त प्रस्तावक और निगम द्वारा उसे स्वीकार किये जाने पर इस अनुसूची में निर्धारित बाद के प्रीमियमों पर विचार करते हुये और उनकी उचित प्राप्ति निगम के उस शाखा कार्यालय पर हितलाभ का बिना ब्याज के भुगतान करने के लिये यह देय होगी, लेकिन इन लाभों के सम्बन्ध में निगम कि संतुष्टि के लिये इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करने पर कि अनुसूची में निर्धारित रकम के देय होने पर उस व्यक्ति या व्यक्तियों को हक का, जो भुगतान का दावा कर रहा हो/रहे हों, कि प्रस्ताव में उल्लिखित बीमित व्यक्ति की आयु की सत्यता के बारे में देय होगा, यदि वह पहले नहीं दिया गया हो।
और एतद्वारा यह घोषित किया जाता है यह पॉलिसी इसके पृष्ठ भाग पर अंकित शर्तों और सुविधाओं के अधीन होगी तथा उपर्युक्त अनुसूची व निगम द्वारा अंकित प्रत्येक पृष्ठांकन पॉलिसी के अंग माने जायेंगे।

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA, (hereinafter called "the Corporation") having received a Proposal along with Declaration and Single Premium from the Proposer and the Life Assured named in the Schedule referred to herein below and the said Proposal and Declaration with the statements contained and referred to therein having been agreed to by the said Proposer and the Corporation as basis of this assurance do by this Policy agree, to pay the benefits, but without interest, at the Branch Office of the Corporation where this Policy is serviced to the person or persons to whom the same is payable in terms of the said Schedule, on proof to the satisfaction of the Corporation of the benefits having become payable as set out in the Schedule, of the title of the said person or persons claiming payment and of the correctness of the age of the Life Assured stated in the Proposal if not previously admitted.

And it is hereby declared that this Policy of Assurance shall be subject to the Conditions and Privileges printed on the back hereof and that the following Schedule and every endorsement placed on the Policy by the Corporation shall be deemed part of the Policy.

मंडल कार्यालय: DIVISIONAL OFFICE:	अनुसूची: SCHEDULE:	शाखा कार्यालय: BRANCH OFFICE:
<p>पॉलिसी सं.: Policy No.:</p> <p>पॉलिसी आरंभ होने की तिथि: Date of Commencement of policy:</p> <p>जोखिम आरंभ होने की तिथि: Date of Commencement of Risk:</p> <p>योजना एवं पॉलिसी अवधि: Plan and Policy term:</p> <p>परिपक्वता की तिथि: Date of Maturity:</p>	<p>एकल प्रीमियम (₹) Single premium (₹):</p> <p>बीमित राशि (₹) Sum Assured (₹):</p>	<p>बीमाधारक की जन्मतिथि: Date of Birth of Life Assured:</p> <p>बीमित व्यक्ति की आयु: Age of the Life Assured:</p> <p>क्या आयु स्वीकृत है? Whether Age admitted?</p>
<p>बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामित: / Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938:</p> <p>नामिती अवयस्क हो तो नियुक्त व्यक्ति का नाम: / If Nominee is a minor, the name of the Appointee</p>	<p>प्रस्ताव सं.: Proposal No.:</p> <p>प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal:</p> <p>लाभ चित्रण संदर्भ क्र.: Benefit Illustration Reference No.:</p>	
<p>प्रस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer:</p>	<p>बीमित व्यक्ति का नाम और पता / Name and address of Life Assured</p>	
<p>घटनाएँ जिनके घटने पर भुगतान किया जाएगा : विवरण अगले पृष्ठ पर दिए गए हैं. Events on the happening of which benefits are payable: Details are mentioned overleaf.</p>		
<p>बीमित राशि किसे देय हो To whom Sum Assured payable</p>	<p>प्रस्तावक या बीमित व्यक्ति या बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत उसके समनुदेशिती को या बीमा कानून अधिनियम 1938 की धारा 39 के अंतर्गत नामितों या प्रमाणित निष्ठावकों या प्रशासकों या अन्य वैधानिक प्रतिनिधियों को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पॉलिसी के अंतर्गत देय राशि मात्र के लिए भारत संघ के किसी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी न्यायालय से अपने प्रतिनिधि होने का प्रमाणपत्र प्राप्त किया होगा. The Proposer or Life Assured or his Assignee under Section 38 of the Insurance Act, 1938 or Nominees under Section 39 of the Insurance Act, 1938 or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives who should take out representation to his/her Estate or limited to the moneys payable under the Policy from any Court of any State or Territory of the Union of India.</p>	

निगम की ओर से उपर्युक्त शाखा कार्यालय में हस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया जा रहा है और जिसे इस पॉलिसी से संबंधित समस्त पत्राचार संबोधित किया जाए.

Signed on behalf of the Corporation at the above-mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the policy should be addressed.

दिनांक : / Date :

द्वारा जाँच: / Examined by :

प्लान क्र.: / Plan No.:

कृते प्रमुख / बरिष्ठ / शाखा प्रबन्धक / p.Chief/Sr./Branch Manager

एजेंसी कोड Agency Code	एजेंसी का नाम Agency Name	एजेंट का मोबाईल नंबर / लैंडलाइन नंबर Agent's Mobile Number/Landline Number



टिप्पणी: यदि आपको कोई शिकायत / परेशानी हो तो आप शिकायत निराकरण अधिकारी / लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं जिनका पता नीचे दिया जा रहा है.

NOTE: In case you have any Complaints/Grievance, you may approach Grievance Redressal Officer/ Ombudsman, whose address is as under:

शाखा कार्यालय का पता / Address of Branch Office

शिकायत समाधान अधिकारी का पता
Address of Grievance Redressal Officer

बीमा लोकपाल का पता
Address of Insurance Ombudsman

टिप्पणी: इन निबंधनों तथा शर्तों और विशेष प्रावधानों / शर्तों की व्याख्या के संबंध में कोई विवाद होने पर अंग्रेजी भाष्य विधिमान्य होगा.

NOTE: In case of dispute in respect of interpretation of these terms and conditions and special provisions/conditions the English version shall stand valid.

आपसे अनुरोध है कि इस पॉलिसी की जाँच कर लें और यदि कोई गलती दिखाई दे तो सुधारने के लिए इसे तुरंत लौटा दें.

YOU ARE REQUESTED TO EXAMINE THIS POLICY, AND IF ANY MISTAKE BE FOUND THEREIN, RETURN IT IMMEDIATELY FOR CORRECTION.

आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या : 512
IRDAI Regn No.: 512

घटनाएँ जिनके घटने पर भुगतान किया जाएगा : Events on the happening of which benefits are payable:	
घटनाएँ Events	भुगतान Benefits payable
1. पॉलिसी अवधि के दौरान जोखिम प्रारंभ होने की तिथि से पहले बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर. On death of the Life Assured during the policy term before the Date of Commencement of Risk	एकल प्रीमियम की वापसी करों और अतिरिक्त प्रीमियम को छोड़कर, यदि कोई हो, ब्याज के बिना. Return of single premium excluding taxes and extra premium, if any, without interest.
2. पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर अगर यह जोखिम प्रारंभ होने की तिथि पर या उसके बाद घटता है। On death of the Life Assured during the policy term if it shall occur on or after the Date of Commencement of risk	निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनसों के साथ बीमित राशि और अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि कोई हो। Sum Assured along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any.
3. बीमित व्यक्ति परिपक्वता की निर्धारित तिथि तक जीवित रहने पर On Life Assured surviving the stipulated Date of Maturity.	निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनसों के साथ बीमित राशि और अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि कोई हो। Sum Assured along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any.

पॉलिसी में दी गई शर्तें एवं सुविधाएं

1. आयु प्रमाण: प्रस्ताव पत्र पर घोषित की गई बीमित व्यक्ति की आयु पर प्रीमियम की गणना हो जाने के उपरांत यदि आयु उस आयु से अधिक पाई जाती है तो बीमा अधिनियम 1938 के अंतर्गत उपलब्ध अधिकारों और उपचारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे मामले में, प्रीमियम प्रवेश के समय सही आयु के आधार पर निकाली गई दर से देय होगा और पॉलिसी आरम्भ होने से लेकर ऐसे भुगतान की तिथि तक प्रीमियम और सही आयु के प्रीमियम के बीच के अंतर की संचित राशि और उस पर उसी अवधि के लिये ब्याज सहित भुगतान करेगा, तथापि प्रावधान है कि यदि संचित ऋण राशि का भुगतान न करे तो पॉलिसी प्रारम्भ होने की तिथि से पॉलिसी के दावा बनने की तिथि तक सही आयु के प्रीमियम और मूल प्रीमियम के बीच के अंतर की संचित राशि और दावे के समय प्रचलित दर से ब्याज के साथ देय होगी, उसे पॉलिसी पर बीमित व्यक्ति द्वारा देय ऋण माना जायेगा तथा पॉलिसी के अंतर्गत दावा होने पर पॉलिसी की धनराशि से काट लिया जायेगा।

यह भी प्रावधान है कि प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की सही आयु जो उक्त तात्काल में निर्दिष्ट बीमा वर्ग या शर्तों के अधीन बीमा के लिए उसे अयोग्य बना दे तो उसे इस पॉलिसी के प्रारंभ में प्रचलित प्रथा के अनुसार निगम द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऐसे बीमा की योजना से बीमा वर्ग या शर्तों को परिवर्तित कर दिया जाएगा, बशर्तें बीमित व्यक्ति को स्वीकार हो, अन्यथा पॉलिसी निरस्त हो जाएगी।

2. कर: कर सेवाकर सहित, यदि कोई हो, कर कानून के अनुसार होगा और कर की दर प्रचलित दर पर लागू होगी।

प्रचलित दरों के अनुसार कर की राशि पॉलिसी धारक द्वारा एकल प्रीमियमों पर देय होगी, जिनमें अतिरिक्त प्रीमियम शामिल हैं, यदि कोई हो. प्रदत्त कर की राशि प्रीमियम के हिस्से के रूप में योजना के अंतर्गत देय लाभों की गणना के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

3. जोखिम का प्रारंभ: प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की आयु अगर 8 वर्ष से कम है, ऐसी स्थिति में इस योजना के तहत पॉलिसी शुरु होने की तारीख के 2 वर्ष से या पॉलिसी वर्षगांठ से जो 8 वर्ष की आयु से या 8 वर्ष की आयु पूरी होने पर तुरंत मेल खाती हो से जोखिम का आरंभ होगा, जो भी पहले हो. 8 वर्ष या उससे अधिक आयु के वर्ग के लोगों के लिए जोखिम तुरंत शुरु होगा।

अगर बीमित व्यक्ति जोखिम प्रारंभ होने की तिथि से पहले मर जाता है, और ऐसी स्थिति में एकल प्रीमियम की राशि कर और अतिरिक्त प्रीमियम को छोड़कर, यदि कोई हो ब्याज के बिना पॉलिसी धन राशि के हकदार व्यक्ति को देय होगी।

4. विशेष परिस्थियों में जन्दी: यदि इसमें समाविष्ट या पृष्ठांकित किसी शर्त का उल्लंघन किया जाता है या यदि पाया जाता है कि प्रस्ताव पत्र, व्यक्तिगत प्रकथन, घोषणा और संबंधित प्रलेखों में कोई असत्य या गलत कथन सम्मिलित है अथवा कोई तात्विक जानकारी छिपाई गई है तो ऐसे प्रत्येक मामले में किन्तु बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 की लागू हो सकने वाली व्यवस्थाओं के अधीन यह पॉलिसी अवैध होगी।

5. आत्महत्या: यदि बीमित व्यक्ति (मानसिक रूप से स्वस्थ हो या अस्वस्थ) हो जोखिम शुरू होने की तिथि से 12 माह के भीतर किसी भी समय आत्महत्या कर लेता है तो निगम द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा, प्रदत्त एकल प्रीमियमों के 90% को छोड़कर, जिसमें कोई कर, अतिरिक्त प्रीमियम शामिल नहीं है।

6. समर्पण मूल्य: पॉलिसी अवधि के दौरान पालिसी कभी भी नकदी के लिए समर्पित की जा सकती है. स्वीकार्य गारंटीड समर्पण मूल्य नीचे दिया गया है:

- प्रथम वर्ष: एकल प्रीमियम का 70%, कर और सभी अतिरिक्त प्रीमियमों को छोड़कर, यदि कोई हो.
- प्रथम वर्ष के बाद: एकल प्रीमियम का 90%, कर और सभी अतिरिक्त प्रीमियमों को छोड़कर, यदि कोई हो.

इसके अतिरिक्त, निहित सरल प्रत्यावर्तित बोनसों, यदि कोई है, का अम्यर्ण मूल्य भी देय होगा, जो निहित बोनसों के लिए लागू अम्यर्ण मूल्य घटक में निहित बोनसों के गुणा के बराबर है. ये घटक पॉलिसी अवधि एवं उस पॉलिसी वर्ष पर आधारित होगा, जिसमें पॉलिसी को अम्यर्णित किया गया है और इस प्रलेख में परिशिष्ट – I के रूप में संलग्न है.

CONDITIONS AND PRIVILEGES WITHIN REFERRED TO

1. Proof of Age: The premium having been calculated based on the age of the Life Assured as declared in the Proposal, in case the age is found higher than such age, without prejudice to the Corporation's other rights and remedies, including those under the Insurance Act, 1938, the premium shall be payable in such case at the rate calculated on the Sum Assured for the correct age at entry, and the accumulated difference between the premium for the correct age and the original premium, from the commencement of the policy up to the date of such payment shall be paid to the Corporation with interest at such rate as may be prevailing at the time of payment provided, however, that in case the Life Assured / Proposer does not pay the above mentioned accumulated debt, the accumulated difference between the premium for the correct age and the original premium from the commencement of this policy up to the date on which the Policy becomes a claim, with interest at such rate as may be prevailing at the time of claim, shall accrue and be treated as a debt due by the Life Assured / Proposer against the said Policy and will be deducted from the Policy moneys payable on the policy becoming a claim.

Provided further that if the Life Assured's correct age at entry is such as would have made him/her un-insurable under the class or terms of assurance specified in the said Schedule hereto, the class or terms shall stand altered to such Plans of Assurance as are granted by the Corporation according to the practice in force at the commencement of this Policy subject to the consent of the Policyholder, otherwise the policy will be cancelled.

2. Taxes: Taxes including Service Tax, if any, shall be as per the Tax laws and the rate of tax shall be as applicable from time to time.

The amount of tax as per the prevailing rates shall be payable by the policyholder on single premium including extra premium, if any. The amount of Tax paid shall not be considered as part of premium for the calculation of benefits payable under the plan.

3. Commencement of risk: In case the age of Life Assured at entry is less than 8 years, risk under this plan will commence either 2 years from the date of commencement of the policy or from the policy anniversary coinciding with or immediately following the completion of 8 years of age, whichever is earlier. For those aged 8 years or more, risk will commence immediately.

This policy shall stand cancelled in case the Life Assured shall die before the Date of Commencement of Risk, and in such event the amount of single premium paid excluding taxes and extra premium, if any, without interest, shall become payable to the person entitled to the policy moneys.

4. Forfeiture in certain events: In case any conditions herein contained or endorsed hereon shall be contravened or in case it is found that any untrue or incorrect statement is contained in the proposal, personal statement, declaration and connected documents or any material information is withheld, then and in every such case this policy shall be void and all claims to any benefit in virtue of this policy shall be subject to the provisions of Section 45 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.

5. Suicide: The policy shall be void if the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide at any time within 12 months from the date of commencement of risk, the Corporation will not entertain any claim under this policy except to the extent of 90% of the single premium paid excluding taxes and any extra premium paid.

6. Surrender Value: The policy can be surrendered for cash at any time during the policy term. The Guaranteed Surrender Value allowable shall be as under:

- First year: 70% of the Single premium excluding taxes and extra premium, if any.
- Thereafter: 90% of the Single premium excluding taxes, extra premium, if any.

In addition, the surrender value of vested simple reversionary bonuses, if any, shall also be payable, which is equal to vested bonuses multiplied by the Surrender Value factor applicable to vested bonuses. The surrender value factors will depend on the Policy Term and the policy year in which the policy is surrendered and is enclosed as Annexure – I to this document.

यद्यपि इस पॉलिसी के अंतर्गत विशेष अम्यर्ण मूल्य देय होगा, यदि यह पॉलिसीधारक के लिए अधिक हितकर हो. विशेष अम्यर्ण मूल्य बीमाकृत राशि एवं निहित सरल प्रत्यावर्तित बोनस का रियायती मूल्य होगा. इस पॉलिसी के लिए लागू ये रियायत घटक आईआरडीएआई के पूर्व अनुमोदन के साथ समय-समय पर बदल सकते हैं.

7. ऋण: प्रदान की गई पॉलिसी कम से कम एक साल तक चली हो तो पॉलिसी के समर्पण मूल्य के भीतर लोन दिया जा सकता है, जो संतोषजनक स्वामित्व के प्रस्तुतिकरण एवं निम्नांकित नियमों व शर्तों तथा ऐसे आगामी नियमों व शर्तों के अधीन है जो निगम समय-समय पर तय कर सकता है.

- लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज की वसूली के लिए जमानत के रूप में पॉलिसी पूर्णतः निगम के नाम पर समनुदेशित की जाएगी और उसके द्वारा रखी जाएगी.
- निगम को ऋण पर ब्याज का भुगतान संबंधित ऋण स्वीकृत करते समय निगम द्वारा निर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि आधार पर किया जाएगा. ब्याज का प्रथम भुगतान अगली पॉलिसी वर्षगांठ या छः माह पूर्व आने वाली तिथि, इनमें जो भी संबंधित ऋण देने के तत्काल बाद आए, पर किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही आधार पर किया जाएगा. ब्याज कम से कम छः माह के लिए लिया जाएगा;
- निगम को 3 महीने का नोटिस देकर ऋण और उसपर देय साधा ब्याज वापस माँगने का हक होगा.
- यदि पॉलिसी परिपक्व हो जाए या अम्यर्णित या मृत्यु द्वारा दावा बन जाए तो निगम को हक होगा कि ऋण या उसके किसी बकाया अंश की राशि, पूरे ब्याज के साथ पॉलिसी की राशि में से काट ले.

8. समानुद्देशन तथा नामांकन: अ) समानुद्देशन: इस प्लान के अंतर्गत समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अंतर्गत समानुद्देशन की अनुमति है. धारा 38 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-II में दिए गए हैं. समानुद्देशन की सूचना, पंजीकरण के लिए पॉलिसी को सेवा प्रदान करने वाले निगम के कार्यालय में दी जानी चाहिए.

ब) नामांकन: समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39 के अंतर्गत पॉलिसीधारक को नामांकन करना जरूरी है. धारा 39 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी के अनुसूची-III में दिये गये हैं.

नामांकन या नामांकन में परिवर्तन की सूचना पॉलिसी को सेवा प्रदान करने वाली निगम कार्यालय में पंजीकरण हेतु दी जानी चाहिए. नामांकन का पंजीकरण करते समय निगम उसकी वैधता या कागजी प्रभाव के बारे में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता है या अपनी कोई राय नहीं देता है.

9. निगम के लाभ में प्रतिभागिता: निगम के अनुभव के आधार पर यह पॉलिसी लाभ में भागीदारी करेगी और यह पॉलिसी उस दर पर एवं उन शर्तों पर एक सरल प्रत्यावर्तित बोनस के योग्य होगी. जो निगम द्वारा घोषित की जा सकती है.

सरल प्रत्यावर्तित बोनसों को प्रत्येकवित्तवर्ष के अंत में वार्षिकरूप से घोषित किया जाएगा. एक बार घोषित कर दिए जाने के बाद, वे योजना के गारंटीड लाभों का हिस्सा बन जाते हैं. सरल प्रत्यावर्तित बोनस पॉलिसी के शुरु होने की तिथि से चुनी गई पॉलिसी अवधि तक या मृत्यु तक, यदि यह पहले होती है, शामिल किए जायेंगे.

पॉलिसी को अम्यर्णित किए जाने की दशा में, निहित बोनसों का नकद मूल्य, यदि कोई है, जैसा भी अम्यर्ण की तिथि पर लागू हो, उपरोक्त शर्त 6 में निर्दिष्ट किए अनुसार देय होगा.

योजना के अंतर्गत उस वर्ष में अंतिम (अतिरिक्त) बोनस भी घोषित किए जा सकते हैं, जब पॉलिसी मृत्यु दावे में परिणित हो जाए या परिपक्वता लाभ भुगतान के लिए बकाया हो जाए और ऐसे नियमों व शर्तों के अधीन जो निगम समय-समय पर घोषित कर सकता है.

10. दावे के लिए सामान्य अपेक्षाएं: पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर दावेदार द्वारा दावा प्रस्तुत करते समय देय साधारण दस्तावेजों में दावा फॉर्म, मूल पॉलिसी दस्तावेज, स्वामित्व का प्रमाण, मृत्यु का प्रमाण, मृत्यु से पूर्व का वैद्यकीय उपचार, निधोक्ता का प्रमाणपत्र, इनमें से जो लागू हो, निगम को संतोषदायक रूप में पेश करना होगा. अगर पॉलिसी के अंतर्गत आयु स्वीकृत नहीं की गई है, तो बीमित व्यक्ति की आयु का प्रमाण भी प्रस्तुत करना होगा.

जहाँ पॉलिसी पूर्णावधि दावे में परिवर्तित होती है या पॉलिसी के अम्यर्ण की दशा में, बीमित व्यक्ति द्वारा आयु प्रमाण-पत्र, अगर आयु पहले स्वीकृत नहीं हुई है, के साथ विमुक्ति पत्र और मूल पॉलिसी प्रलेख, बैंक खाते में दावे की राशि सीधे जमा करने के लिए दायकर्ता की ओर से NEFT आदेश पत्र प्रस्तुत किया जाएगा.

11. वैधानिक परिवर्तन: इस पॉलिसी के अंतर्गत देय हितलाभों और कर सहित निगम और शर्तें संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुसार परिवर्तनीय हैं.

12. क्लींग ऑफ अवधि: यदि पॉलिसीधारक पॉलिसी के "नियम और शर्तों" से संतुष्ट नहीं है तो वह पॉलिसी प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों के अन्दर आपत्तियों का कारण बताते हुये निगम को पॉलिसी लौटा सकता है. इसके प्राप्त होने पर निगम पॉलिसी निरस्त करके, जमा की गई प्रीमियम की राशि से रिस्क प्रीमियम एवं चिकित्सकीय परीक्षण, विशेष प्रतिवेदनो, यदि कोई हो, एवं स्टैम्य शुल्क के लिए शुल्कों की कटौती के बाद वापिस कर देगा.

13. लाभ चित्रण: मानक जीवन धारणा पर आधारित आपका अनुकूलित लाभ चित्रण इस प्रलेख के साथ संलग्न है.

बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45:

समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 के प्रावधान लागू होंगे। मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के अनुसूची -IV में दिये गये हैं।

शिकायत समाधान प्रणाली :

ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए निगम के शाखा/मंडल/क्षेत्रीय/केन्द्रीय कार्यालय में शिकायत समाधान अधिकारी हैं। ग्राहकों की शिकायत का शीघ्र समाधान करने के लिए निगम ने अपने कस्टमर पोर्टल (वेबसाइट) <http://www.icindia.in> के ज़रिए ग्राहक शुभचिन्तक एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली प्रस्तुत की है, जिसके ज़रिए पंजीकृत पॉलिसीधारक अपनी शिकायत को सीधे दर्ज कर सकते हैं तथा उसकी स्थिति पर निगरानी रख सकते हैं। ग्राहक अपनी किसी समस्या के समाधान के लिए ईमेल आईडी co_crmgrv@icindia.com पर भी सम्पर्क कर सकते हैं। अगर प्राप्त प्रतिसाद से ग्राहक संतुष्ट नहीं हो या उसे 15 दिनों के अंदर हमसे कोई प्रतिसाद न मिले तो ग्राहक निम्नलिखित किसी माध्यम से आईआरडीएआई के शिकायत कक्ष को सम्पर्क कर सकता है।

- टोल फ्री नंबर 155255/18004254732 (अर्थात आईआरडीएआई शिकायत कॉल सेंटर) पर कॉल करें
- यहाँ ईमेल भेजे complaints@irda.gov.in

- ऑनलाइन शिकायत <http://www.igms.irda.gov.in> पर दर्ज करें

- कूरियर/पत्र के जरिए शिकायत यहाँ भेजकर: उपभोक्ता मामले विभाग, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण, 9वीं मंजिल, युनायटेड इंडिया टावर्स, बशीरबाग, हैदराबाद

However, under this policy, Special Surrender Value will be payable, if it is more favorable to the Policyholder. The Special Surrender Value will be the discounted value of the Sum Assured and vested simple reversionary bonuses. These discounting factors applicable to this policy may change from time to time with prior approval of IRDAI.

7. Loan: Provided the policy has run for atleast one year, loan may be granted within the surrender value of the policy, subject to the production of satisfactory title and following terms and conditions and on such further terms and conditions as may be fixed from time to time:

- the Policy shall be assigned absolutely to and held by the Corporation as security for the repayment of loan and of the interest thereon;
- Interest on the loan shall be paid on compounding half-yearly basis to the Corporation at the rate to be specified by the Corporation when the relative loan is sanctioned. The first payment of interest is to be made on the next policy anniversary or on the date six months before the next policy anniversary whichever immediately follows the date on which the relative loan is made and every half year thereafter. Interest is charged for a minimum period of six months;
- The Corporation shall be entitled to call for repayment of the loan with all due interest by giving 3 months notice;
- In case the policy shall mature or becomes a claim by death, the Corporation shall become entitled to deduct the amount of the loan or any portion thereof which is outstanding, together with all outstanding interest from the policy moneys.

8. Assignments and Nominations: a) Assignments: Assignment is allowed under this plan as per section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are contained in Annexure-II of this policy document. The notice of assignment should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced.

b) Nominations: Nomination by the holder of a policy of life assurance is required as per section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are contained in Annexure-III of this policy document.

The notice of nomination or change of nomination should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced. In registering nomination the Corporation does not accept any responsibility or express any opinion as to its validity or legal effect.

9. Participation in the Profits of the Corporation: Depending upon the Corporation's experience with regard to the policies issued under this plan, this policy shall participate in profits and will be eligible for a Simple Reversionary Bonus at such rate and on such terms as may be declared by the Corporation.

Simple Reversionary Bonuses shall be declared annually at the end of each financial year. Once declared, they form part of the guaranteed benefits of the plan. Simple Reversionary Bonuses will be added from the date of commencement of policy until the selected policy term or till death, if it occurs earlier.

In the event of policy being surrendered, the cash value of vested bonuses, if any, as applicable on the date of surrender, will be payable as specified in Condition No. 6.

Final (Additional) bonus may also be declared under the plan in the year when the policy results into claim by way of death or maturity on such terms and conditions as may be declared by the Corporation from time to time.

10. Normal requirements for a claim: The normal documents which the claimant shall submit while lodging the claim in case of death of the Life Assured shall be the claim forms as prescribed by the Corporation accompanied with original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account, proof of title, proof of death, medical treatment prior to death, school / college / employer's certificate, whichever is applicable, to the satisfaction of the Corporation. If the age is not admitted under the policy, the proof of age of the Life Assured shall also be submitted.

On maturity or on earlier surrender, the Life Assured shall submit the discharge form along with the original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account besides proof of age, if the age is not admitted earlier.

11. Legislative Changes: The Terms and Conditions including the benefits payable and taxes under this policy are subject to variation in accordance with the relevant Legislation & Regulations.

12. Cooling-off Period: If the Policyholder is not satisfied with the "Terms and Conditions" of the policy, he/she may return the policy to the Corporation within 15 days from the date of receipt of the policy stating the reason of objections. On receipt of the same the Corporation shall cancel the policy and return the amount of single premium deposited after deducting the proportionate risk premium for the period on cover, stamp duty charges, expenses for medical examination and special reports, if any.

13. Benefit Illustration: Your customized Benefit Illustration based on standard life assumption is enclosed to this document.

Section 45 of Insurance Act, 1938:

The provisions of Section 45 of the Insurance Act, 1938 shall be applicable as amended from time to time. The current provisions are contained in Annexure-IV of this policy document.

Grievance Redressal Mechanism:

The Corporation has Grievance Redressal Officers at Branch/ Divisional/ Zonal/ Central Office to redress grievances of customers. For ensuring quick redressal of customer grievances the Corporation has introduced Customer friendly Integrated Complaint Management System through our Customer Portal (website) which is <http://www.icindia.in>, where a registered policy holder can directly register complaint/ grievance and track its status. Customers can also contact at e-mail ic_crmgrv@icindia.com for redressal of any grievances.

In case the customer is not satisfied with the response or do not receive a response from us within 15 days, then the customer may approach the Grievance Cell of the IRDAI through any of the following modes:

- Calling Toll Free Number 155255 / 18004254732 (i.e. IRDAI Grievance Call Centre)
- Sending an email to complaints@irda.gov.in
- Register the complaint online at <http://www.igms.irda.gov.in>
- Address for sending the complaint through courier / letter: Consumer Affairs Department, Insurance Regulatory and Development Authority of India, 9th Floor, United India Towers, Basheerbagh, Hyderabad

- हैदराबाद - 500 029, आंध्र प्रदेश।
- फैक्स नं. 040-66789768 पर शिकायत भेजे
- जो दावेदार मृत्यु के दावे को अस्वीकृत किए जाने के निर्णय से असंतुष्ट हों वे अपने मामले को समीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्यालय दावा विवाद समाधान समिति या केन्द्रीय कार्यालय दावा विवाद समाधान समिति के पास भेज सकते हैं। प्रत्येक दावा विवाद समाधान समिति में उच्च न्यायालय/जिला न्यायालय के एक सेवानिवृत्त जज सदस्य के रूप में हैं। दावों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दावेदार भारत सरकार द्वारा नियुक्त बीमा लोकपाल से भी सम्पर्क कर सकते हैं जो कि ग्राहकों को कम खर्च के साथ त्वरित गति से मध्यस्थता प्रदान करने के लिए है।

अनुलग्नक - I ANNEXURE - I

निहित बोनस के लिए लागू समर्पण मूल्य कारक (प्रतिशत में) Surrender Value factors applicable to vested bonuses (in percentage)																
	पॉलिसी शर्त-→ Policy Term→															
पॉलिसी वर्ष Policy Year	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
1	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55	15.42	15.28	15.13	14.94
2	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55	15.42	15.28	15.13
3	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55	15.42	15.28
4	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55	15.42
5	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55	15.42
6	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72	15.55
7	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93	15.72
8	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58	16.22	15.93
9	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58	16.22
10	35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03	16.58
11		35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58	17.03
12			35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66	17.58
13				35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85	17.66
14					35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16	17.85
15						35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60	18.16
16							35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18	18.60
17								35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93	19.18
18									35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85	19.93
19										35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99	20.85
20											35.00	30.00	27.06	25.05	23.38	21.99
21												35.00	30.00	27.06	25.05	23.38
22													35.00	30.00	27.06	25.05
23														35.00	30.00	27.06
24															35.00	30.00
25																35.00

परिशिष्ट II

समनुदेशन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अनुसार

- (1) बीमा पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, पूर्णतः, या अंशतः प्रतिफलसहित या इसके बिना, केवल पॉलिसी पर ही पृष्ठकन या अलग से इंस्ट्रूमेंट द्वारा किसी भी मामले में अंतरणकर्ता या समनुदेशक या उनके अधिकृत एजेंट द्वारा किया जा सकता है, जिसे कम से कम एक साक्षी द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए, विशेष रूप से अंतरण या अभ्यर्पण के तथ्य और कारण, समनुदेशित के पूर्ववृत्त और समनुदेशन की शर्तों का उल्लेख करते हुए।
- (2) बीमाकर्ता उप–धारा (1) के अंतर्गत किए गए किसी अंतरण या समनुदेशन को स्वीकार कर सकता है या किसी पृष्ठकन को स्वीकार करने से मना कर सकता है, अगर उसके पास यह मानने का पर्याप्त कारण हो कि यह अंतरण या समनुदेशन वास्तविक नहीं है या पॉलिसीधारक के हित में या जनहित या बीमा पॉलिसी की ट्रेडिंग के प्रयोजन हेतु उपयुक्त नहीं है।
- (3) बीमाकर्ता, पृष्ठकन पर अमल करने से इनकार करने से पहले अपनी अस्वीकृति के कारण को लिखित में दर्ज करेगा तथा पॉलिसीधारक द्वारा ऐसे अंतरण या समनुदेशन का नोटिस देने की तिथि से 30 दिनों के अंदर ऐसी अस्वीकृति से पॉलिसीधारक को सूचित करेगा।
- (4) बीमाधारक द्वारा ऐसे अंतरण या पृष्ठकन पर अमल करने से इनकार करने से प्रभावित कोई व्यक्ति बीमाकर्ता से कारण सहित इनकार की सूचना मिलने की तिथि से 30 दिनों के अंदर प्राधिकारी के पास अपना दावा रख सकता है।
- (5) उप–धारा (2) के प्रावधानों के अधीन, अंतरण या समनुदेशन पूर्ण होगा तथा ऐसे पृष्ठकन या विधिवत सत्यापित इंस्ट्रूमेंट पर अमल प्रभावी होगा, सिवाय वहां जहां अंतरण या समनुदेशन बीमाकर्ता के पक्ष में है, बीमाकर्ता के विरुद्ध प्रभावी न होगा, तथा यह अंतरिती या समनुदेशित या उनके कानूनी प्रतिनिधि को ऐसी पॉलिसी के अंतर्गत राशि के लिए कानूनी दावा करने या उनके द्वारा धनराशि को सुरक्षित करने का अधिकार नहीं देता है। अंतरण या समनुदेशन का लिखित में नोटिस या उक्त पृष्ठकन या इंस्ट्रूमेंट की प्रति, जिसे जब तक कि अंतरणकर्ता तथा अंतरिती दोनों या उनके विधिवत अधिकृत एजेंट्स द्वारा सत्य होने के लिए सत्यापित किया गया हो, बीमाकर्ता को सौंपा नहीं जाता है।
- बशर्तें जहां बीमाकर्ता के भारत में एक या अधिक कारोबार के स्थान हो, वहां नोटिस को केवल वहां पर दिया जाना है, जहां से पॉलिसी को सेवा प्रदान की जा रही है।
- (6) जिस तिथि को उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस बीमाकर्ता को सुपुर्द किया जाता है, उससे वह पॉलिसी में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों के बीच अंतरण या समनुदेशन के अंतर्गत सभी दावों के लिए प्राथमिकता को विनियमित करेगी, तथा जहां अंतरण या समनुदेशन के एक से अधिक इंस्ट्रूमेंट हों वहां ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स के अंतर्गत दावों की प्राथमिकता उस क्रम द्वारा शासित होगी, जिसमें उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस सुपुर्द किए गए हैं।
- समनुदेशितों के बीच भुगतान की प्राथमिकता के बारे में कोई विवाद उत्पन्न होने पर उसे प्राधिकारी को संदर्भित किया जाएगा।
- (7) उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस के प्राप्त होने पर, ऐसे अंतरण या समनुदेशन के तथ्य को उसकी तिथि तथा अंतरिती या समनुदेशित के नाम के साथ दर्ज करेगा तथा नोटिस देने वाले व्यक्ति द्वारा अनुरोध किए जाने पर, या अगर अंतरिती या समनुदेशित, विनियमों द्वारा निर्धारित की गई फीस के भुगतान पर, ऐसे नोटिस के प्राप्त होने की लिखित पावती देता है; और ऐसी किसी पावती को बीमाकर्ता के विरुद्ध इस बात का निष्कर्षी साक्ष्य माना जाएगा कि उसे पावती से संबंधित नोटिस विधिवत प्राप्त हुआ है।
- (8) अंतरण या समनुदेशन के नियमों तथा शर्तों के अधीन, बीमाकर्ता द्वारा, उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस की प्राप्ति की तिथि से, पॉलिसी के अंतर्गत लाभ के पात्र अंतरिती या समनुदेशित की पहचान करेगा या ऐसा व्यक्ति उन सभी दायित्ताओं तथा इक्विटियों के अधीन होगा, जिसका कि अंतरण या समनुदेशन की तिथि को अंतरणकर्ता या समनुदेशक धार था ता वह पॉलिसी के संबंध में कोई कार्यवाही कर सकता है, वह पॉलिसी के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर सकता है या अंतरणकर्ता या समनुदेशक की सहमति प्राप्त किए बिना पॉलिसी को अभ्यर्पण कर सकता है या उसे ऐसी कार्यवाही की एक पाटी बना सकता है।
- स्पष्टीकरण – सिवाय इसके कि जहां उप–धारा (1) में संदर्भित पृष्ठकन स्पष्ट रूप से उल्लेख करता हो कि समनुदेशन या अंतरण, यहां दी गई उप–धारा (10) के अंतर्गत सशर्त

- 500 029, Andhra Pradesh.
- Sending the complaint by Fax to 040-66789768

Claimants not satisfied with the decision of death claim repudiation have the option of referring their cases for review to Zonal Office Claims Dispute Redressal Committee or Central Office Claims Dispute Redressal Committee. A retired High Court/ District Court Judge is member of each of the Claims Dispute Redressal Committees. For redressal of Claims related grievances, claimants can also approach Insurance Ombudsman who provides for low cost and speedy arbitration to customers.

है, प्रत्येक समनुदेशन या अंतरण को पूर्ण समनुदेशन या अंतरण माना जाएगा तु समनुदेशित या अंतरिती को, जैसी भी स्थिति हो, क्रमशः पूर्ण समनुदेशित या अंतरिती माना जाएगा।

- (9) बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 2015 के आरंभ होने से पहले किए गए किसी समनुदेशन या अंतरण से जीवन बीमा की पॉलिसी के किसी समनुदेशित या अंतरिती के अधिकार व उपचार इस धारा के प्रावधानों द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।
- (10) किसी कानून के होने के बावजूद या ग्राहक की कानून के प्रतिकूल बाध्यता होने पर, व्यक्ति के पक्ष में समनुदेशन इस दश में किया जा सकता है कि
- पॉलिसी के अंतर्गत धनराशि पॉलिसीधारक या नामित व्यक्ति या नामित व्यक्तियों को उस दशा में देय हो सकती है अगर समनुदेशित या अंतरिती की मृत्यु बीमाधारक से पहले हो जाती है; या
 - बीमाधारक पॉलिसी की अवधि तक जीवित रहता है, मान्य होगा:

तथापि सशर्त समनुदेशित पॉलिसी को अभ्यर्पण करने या पॉलिसी पर ऋण लेने का पात्र नहीं होगा।

- (11) उप–धारा (1) के अंतर्गत बीमा पॉलिसी के आंशिक समनुदेशन या अंतरण की दशा में, बीमाकर्ता की दायित्ता आंशिक समनुदेशन या अंतरण द्वारा सुरक्षित की गई राशि तक सीमित होगी तथा ऐसा पॉलिसीधारक उसी पॉलिसी के अंतर्गत देय शेष राशि के लिए पुनः समनुदेशन या अंतरण करने का पात्र नहीं होगा।

परिशिष्ट III

नामांकन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 39 के अनुसार

- (1) जीवन बीमा की पॉलिसी का धारक अपने जीवन पर, पॉलिसी लेते समय या भुगतान हेतु पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय, किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नामित कर सकता है, जिसे/जिन्हें उसकी मृत्यु की स्थिति में पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि का भुगतान किया जाएगा।
- शर्त यह है कि, अगर नामित व्यक्ति नाबालिग हो, तो पॉलिसीधारक के लिए यह कानून उचित होगा कि बीमाकर्ता द्वारा निर्धारित तरीके से किसी व्यक्ति को नियुक्त करें जो कि नामित व्यक्ति के नाबालिग रहने के दौरान पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि को प्राप्त कर सके।
- (2) ऐसे किसी नामांकन को प्रभावी होने के लिए, अगर वह पॉलिसी की शब्द योजना में निगमित नहीं है, तो उसे बीमित करने के लिए सूचित पॉलिसी पर पृष्ठकन तथा पॉलिसी से संबंधित रिक्ॉर्ड्स में उसके द्वारा पंजीकरण के लिए निगमित किया जाएगा, तथा ऐसे कोई नामांकन पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय भुगतान से पूर्व किसी पृष्ठकन या वसीयत, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा रद्द किए या बदले जा सकते हैं, लेकिन अगर इस प्रकार निरस्तीकरण या परिवर्तन के लिए बीमाकर्ता को लिखित में सूचना न दी गई हो तो बीमाकर्ता पॉलिसी के अंतर्गत उसके द्वारा वास्तविक बनाए गए पॉलिसी की शब्द योजना में उल्लिखित या बीमाकर्ता के रिक्ॉर्ड्स में पंजीकृत नामांकित को किसी भुगतान के लिए दायी नहीं होगा।
- (3) बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसीधारक को नामांकन के पंजीकृत कराए जाने या उसके निरस्तीकरण या बदले जाने के बारे में लिखित पावती देना तथा विनियमों द्वारा विनिर्धारित ऐसे निरस्तीकरण या परिवर्तन को पंजीकृत करने के लिए शुल्क भी ले सकता है।
- (4) धारा 38 के अनुक्रम में पॉलिसी में किसी अंतरण या समनुदेशन से नामांकन स्वतः रद्द हो जाएगा: शर्त यह है कि बीमाकर्ता को पॉलिसी का समनुदेशन, जो कि समनुदेशन के समय पॉलिसी पर जोखिम का वहन करता हो, उस बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी की जमानत पर, उसके अभ्यर्पण मूल्य या पुनः समनुदेशन के अंतर्गत हो, ऋण स्वरूप की भरपाई करने पर नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामित के अधिकार केवल उस हद तक प्रभावित होंगे, जितना कि पॉलिसी में बीमाकर्ता का हित हो:
- आगे शर्त यह है कि पॉलिसीधारक को अंतरिती या समनुदेशित द्वारा अग्रिम रूप से दिए गए ऋण के प्रतिफल स्वरूप पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, याहै वह पूर्णतः हो या अंशतः, नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामांकित व्यक्ति के अधिकारों को उसी हद तक प्रभावित करेगा, जो कि पॉलिसी में अंतरिती या समनुदेशित का हित होगा:

- शर्त यह भी है कि नामांकन जो कि अंतरण या समनुदेशन पर उसके परिणामस्वरूप अपने आप रद्द हुआ हो, वह नामांकन समनुदेशित द्वारा पुनः समनुदेशन या अंतरिती द्वारा ऋण के भुगतान पर सिवाय बीमाकर्ता को पॉलिसी की जमानत पर, पुनः अंतरण से स्वतः पुनः प्रचालित हो जाएगा।
- (5) जहां पॉलिसी की भुगतान हेतु परिपक्वता उस व्यक्ति के जीवनकाल में होती है जिसके जीवन को बीमित किया गया है या अगर नामित व्यक्ति या एक से अधिक नामितों में से सभी पॉलिसी के भुगतान हेतु परिपक्व होने से पहले मर जातें हैं, वहां पॉलिसी के अंतर्गत सुरक्षित राशि का भुगतान पॉलिसीधारक या उसके उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को, जैसी भी स्थिति हो, किया जाएगा।
- (6) जहां एक या अधिक नामित हों तथा एक या एक से अधिक नामित, उस व्यक्ति के बाद जीवित रहतें हैं, जिसके जीवन को बीमित किया गया है, तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित की गई राशि का भुगतान ऐसे उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों को किया जाएगा।
- (7) इस धारा के अन्य प्रावधानों के अधीन, जहां बीमा पॉलिसी के धारक ने अपने जीवन पर अपने माता/पिता या अपने जीवनसाथी या अपने बच्चों या अपने जीवन साथी और बच्चों या उनमें से किसी को नामित किया हो, ऐसे नामित उप–धारा (6) के अंतर्गत बीमाकर्ता द्वारा देय राशि के लिए लाभांश होंगे, जब तक कि यह साबित नहीं होता कि पॉलिसी का धारक, पॉलिसी में उसके टाइटल की प्रकृति के अनुसार नामांकित को ऐसा लाभांश टाइटल प्रदान नहीं कर सकता है।
- (8) उपरोक्त कहे गए के अधीन, जहां नामित या अगर एक से अधिक नामित हों, जिन पर उप धारा (7) लागू होती है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि के भुगतान से पहले, लेकिन उस व्यक्ति जिसके जीवन के बीमित किया गया है, के बाद मर जाता है तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि या मरनेवाले नामित या नामितों जैसी भी स्थिति हो के हिस्से का प्रतिनिधिक रूप वाली पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि का भुगतान नामित या नामितों के उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक, जैसी भी स्थिति हो, को किया जाएगा तथा वे ऐसी राशि को पाने के लिए अधिकृत लाभांश होंगे।
- (9) उप–धाराओं (7) और (8) में कुछ भी जीवन बीमा की किसी पॉलिसी की आमदनियों से किसी उधारदाता के अधिकार को नष्ट या समाप्त नहीं करेगा।
- (10) उप–धाराओं (7) और (8) के प्रावधान बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 2015 के आरंभ होने के बाद भुगतान के लिए परिपक्व होने वाली जीवन बीमा की सभी पॉलिसियों पर लागू होंगे।
- (11) जहां पॉलिसीधारक की मृत्यु पॉलिसी के परिपक्व होने के बाद हुई हो, लेकिन पॉलिसी की आय और हितलाम का भुगतान उसे उसकी मृत्यु के कारण न हुए हों, तो उसके द्वारा नामित उसकी पॉलिसी के अंतर्गत आमदनी और हितलाम को पाने का पात्र होगा।
- (12) इस धारा के प्रावधान जीवन बीमा की ऐसी किसी पॉलिसी पर लागू नहीं होंगे, जिस पर धारा 6, विवाहित स्त्री सम्पत्ति अधिनियम 1874 लागू होता हो या कभी लागू किया गया हो। शर्त यह है कि, जहां बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 के आरंभ होने से पहले बीमित व्यक्ति के पत्नी या उसकी पत्नी तथा बच्चों या उनमें से किसी के पक्ष में अभिव्यक्त रूप से नामांकन किया गया हो, याहै वह पॉलिसी पर अंकित हो या नहीं, जैसा कि इस धारा के अंतर्गत किया गया है, कथित धारा 6 पॉलिसी पर लागू नहीं मानी जाएगी या लागू नहीं होगी।

subsection (10) hereunder, every assignment or transfer shall be deemed to be an absolute assignment or transfer and the assignee or transferee, as the case may be, shall be deemed to be the absolute assignee or transferee respectively.

- (9) Any rights and remedies of an assignee or transferee of a policy of life insurance under an assignment or transfer effected prior to the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015 shall not be affected by the provisions of this section.
- (10) Notwithstanding any law or custom having the force of law to the contrary, an assignment in favour of a person made upon the condition that-
 - The proceeds under the policy shall become payable to the policyholder or the nominee or nominees in the event of either the assignee or transferee predeceasing the insured; or
 - The insured surviving the term of the policy , shall be valid:

Provided that a conditional assignee shall not be entitled to obtain a loan on the policy or surrender a policy.

- (11) In the case of the partial assignment or transfer of a policy of insurance under sub-section (1), the liability of the insurer shall be limited to the amount secured by partial assignment or transfer and such policyholder shall not be entitled to further assign or transfer the residual amount payable under the same policy.

Annexure –III

Nomination - As per Section 39 of the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- (1) The holder of a policy of life insurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment, nominate the person or persons to whom the money secured by the policy shall be paid in the event of his death:

Provided that, where any nominee is a minor, it shall be lawful for the policy holder to appoint any person in the manner laid down by the insurer, to receive the money secured by policy in the event of his death during the minority of the nominee.
- (2) Any such nomination in order to be effectual shall, unless it is incorporated in the text of the policy itself, be made by an endorsement on the policy communicated to the insurer and registered by him in the records relating to the policy and any such nomination may at any time before the policy matures for payment be cancelled or changed by an endorsement or a further endorsement or a will, as the case may be, but unless notice in writing of any such cancellation or change has been delivered to the insurer, the insurer shall not be liable for any payment under the policy made bona fide by him to a nominee mentioned in the text of the policy or registered in records of the insurer.

- (3) The insurer shall furnish to the policy holder a written acknowledgement of having registered a nomination or a cancellation or change thereof, and may charge such fee as may be specified by regulations for registering such cancellation or change.

- (4) A transfer or assignment of a policy made in accordance with section 38 shall automatically cancel a nomination:

Provided that the assignment of a policy to the insurer who bears the risk on the policy at the time of the assignment, in consideration of a loan granted by that insurer on the security of the policy within its surrender value, or its reassignment on repayment of the loan shall not cancel a nomination, but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the insurer’s interest in the policy:

Provided further that the transfer or assignment of a policy, whether wholly or in part, in consideration of a loan advanced by the transferee or assignee to the policyholder, shall not cancel the nomination but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the interest of the transferee or assignee, as the case may be, in the policy:

Provided also that the nomination, which has been automatically cancelled consequent upon the transfer or assignment, the same nomination shall stand automatically revived when the policy is reassigned by the assignee or retransferred by the transferee in favour of the policyholder on repayment of loan other than on a security of policy to the insurer.

- (5) Where the policy matures for payment during the lifetime of the person whose life is insured or where the nominee or, if there are more nominees than one, all the nominees die before the policy matures for payment, the amount secured by the policy shall be payable to the policyholder or his heirs or legal representatives or the holder of a succession certificate, as the case may be.
- (6) Where the nominee or if there are more nominees than one, a nominee or nominees survive the person whose life is insured, the amount secured by the policy shall be payable to such survivor or survivors.
- (7) Subject to the other provisions of this section, where the holder of a policy of insurance on his own life nominates his parents, or his spouse, or his children, or his spouse and children, or any of them, the nominee or nominees shall be beneficially entitled to the amount payable by the insurer to him or them under sub-section (6) unless it is proved that the holder of the policy, having regard to the nature of his title to the policy, could not have conferred any such beneficial title on the nominee.
- (8) Subject as aforesaid, where the nominee, or if there are more nominees than one, a nominee or nominees, to whom sub-section (7) applies, die after the person whose life is insured but before the amount secured by the policy is paid, the amount secured by the policy, or so much of the amount secured by the policy as represents the share of the nominee or nominees so dying (as the case may be), shall be payable to the heirs or legal representatives of the nominee or nominees or the holder of a succession certificate, as the case may be, and they shall be beneficially entitled to such amount.
- (9) Nothing in sub-sections (7) and (8) shall operate to destroy or impede the right of any creditor to be paid out of the proceeds of any policy of life insurance.
- (10) The provisions of sub-sections (7) and (8) shall apply to all policies of life insurance maturing for payment after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015.
- (11) Where a policyholder dies after the maturity of the policy but the proceeds and benefit of his policy has not been made to him because of his death, in such a case, his nominee shall be entitled to the proceeds and benefit of his policy.
- (12) The provisions of this section shall not apply to any policy of life insurance to which section 6 of the Married Women’s Property Act, 1874, applies or has at any time applied;

Provided that where a nomination made whether before or after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015, in favour of the wife of the person who has insured his life or of his wife and children or any of them is expressed, whether or not on the face of the policy, as being made under this section, the said section 6 shall be deemed not to apply or not to have applied to the policy.

परिशिष्ट IV

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के अनुसार

- (1) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी की तिथि से अर्थात् पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी पर राइडर की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति पर, जो भी बाद में हो, किसी भी आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है।
- (2) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम आरंभ होने की तिथि या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर किसी भी समय, जो भी बाद में हो, धोखेघड़ी के आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है।
- शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या समनुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर यह फैसला लिया गया है।
- स्पष्टीकरण ख: इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, 'धोखेघड़ी' का अर्थ है बीमाधारक या उसके एजेंट द्वारा बीमाकर्ता को धोखा देने या बीमाकर्ता को जीवन बीमा पॉलिसी जारी करने के लिए प्रभावित करने के इरादे से किया गया निम्नलिखित में से कोई कार्य:
- अ. सुझाव, जो कि तथ्य रूप में सही नहीं है तथा जिसके सच होने पर बीमाधारक को विश्वास नहीं है;
- ब. बीमाधारक द्वारा किसी तथ्य को छिपाना, जो उसकी जानकारी में था या उसकी वास्तविकता पर उसे विश्वास था;
- स. धोखेघड़ी के इरादे से उजाया गया कोई अन्य कदम; तथा
- द. कोई अन्य ऐसा कदम या भूल-बूढ़ जिसे कानून विशेष रूप से धोखाघड़ी मानता हो।
- स्पष्टीकरण II: बीमाकर्ता द्वारा जोखिम के आकलन को प्रभावित करने वाले तथ्यों के बारे में सिर्फ चुप रहना धोखाघड़ी नहीं है, जब तक कि मामले की परिस्थितियों के अनुसार, बीमाधारक या उसके एजेंट का यह कर्तव्य है। बोलने से चुप रहना या अन्यथा उसकी खामोशी अपने आप में बोलने के बराबर हो।
- (3) उपधारा (2) में कुछ भी निहित होने के बावजूद, कोई भी बीमाकर्ता किसी जीवन बीमा पॉलिसी को धोखेघड़ी के आधार पर अस्वीकृत नहीं कर सकता है, अक्षर बीमाधारक/लाभार्थी यह प्रमाणित कर सके कि उसके द्वारा की गई गलतबयानी उसकी अधिकतम जानकारी के अनुसार सही थी और उसने जानबूझकर तथ्यों को छिपाने की कोशिश नहीं की या कथित गलतबयानी या महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया जाना बीमाकर्ता की जानकारी में था।
- धोखेघड़ी के मामले में इसे गलत साबित करने का दायित्व लाभार्थियों पर है अक्षर पॉलिसीधारक जीवित नहीं है।
- स्पष्टीकरण - कोई व्यक्ति जो बीमा की संविदा का आग्रह और उसकी सौदेबाजी करता है उसे संविदा के प्रयोजन के लिए बीमाकर्ता का एजेंट माना जाएगा।
- (4) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को पॉलिसी के जारी करने की तिथि से या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुनर्चलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर, जो भी बाद में हो, किसी भी समय, इस आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है कि बीमित व्यक्ति के जीवनकाल से संबंधित किसी तथ्य को प्रस्ताव प्रपत्र में या किसी अन्य कागजात में, जिसके आधार पर पॉलिसी जारी की गई थी या पुनर्चालित की गई थी या राइडर जारी किया गया था, छिपाया गया था या गलत दिखाया गया था।
- शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामांकित व्यक्तियों या समनुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर जीवन बीमा को पॉलिसी को अस्वीकृत करने का यह फैसला लिया गया है।
- आगे शर्त यह है कि महत्वपूर्ण तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने के आधार पर पॉलिसी को अस्वीकृत किए जाने तथा धोखेघड़ी की स्थिति न होने पर, अस्वीकृति की तिथि तक पॉलिसी पर जमा किए गए सभी प्रीमियमों का भुगतान बीमाधारक या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या समनुदेशितों को ऐसी अस्वीकृति की तिथि से नब्बे दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।
- स्पष्टीकरण - इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, किसी तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने को तब तक महत्वपूर्ण नहीं माना जाएगा, जब तक कि उसका बीमाकर्ता द्वारा स्वीकार किए गए जोखिम पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव न हो, यह प्रमाणित करने का दायित्व बीमाकर्ता का होगा कि अगर बीमाकर्ता को स्थापित तथ्य की जानकारी होती तो वह बीमाधारक को यह जीवन बीमा पॉलिसी जारी नहीं करता।
- (5) इस धारा में निहित कुछ भी बीमाकर्ता को किसी भी समय उम्र का प्रमाण मांगने से नहीं रोकती है, अगर वह इसके लिए अधिकृत है तथा किसी पॉलिसी की सिर्फ इसलिए प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है क्योंकि प्रस्ताव में गलत उल्लेख की गई बीमित व्यक्ति की उम्र को सबूत के आधार पर बाद में समायोजित किया गया था।

Annexure -IV

Section 45 as per the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- (1) No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later.
- (2) A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later on the ground of fraud:
- Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision is based.
- Explanation I- For the purposes of this sub-section, the expression "fraud" means any of the following acts committed by the insured or by his agent, with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy:-
- (a) the suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
- (b) the active concealment of a fact by the insured having knowledge or belief of the fact;
- (c) any other act fitted to deceive; and
- (d) any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.
- Explanation II- Mere silence as to facts likely to affect the assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak.
- (3) Notwithstanding anything contained in subsection (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the misstatement of or suppression of a material fact was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such misstatement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer:
- Provided that in case of fraud, the onus of disproving lies upon the beneficiaries, in case the policyholder is not alive.
- Explanation - A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be the agent of the insurer.
- (4) A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued:
- Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:
- Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of misstatement or suppression of a material fact, and not on the ground of fraud the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.
- Explanation - For the purposes of this sub-section, the misstatement of or suppression of fact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insured.
- (5) Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal.